मासिक पाठ्यकम, सत्र : 2016-17
कक्षा : छठी
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित कियाएं
अप्रैल	व्याकरण : पाठ्य पुस्तक के पृष्ठ 1-11 तक (दोहराई)	स्वर, व्यंजन और मात्राओं की पहचान और उनके सही प्रयोग का अभ्यास कराना ।	1.स्वर एवं उनकी मात्रा सम्बन्धी चार्ट तालिका बनवायी जाये ।वर्णों की पहचान करवाते हुए उनसे सम्बन्धित चित्र चिपकवाये जायें। 2.शब्द-समूह में से विद्यार्थी को वर्णों की पहचान करवायी जाये। 3.अध्यापक द्वारा यदि संभव हो तो इंटरनेट की मदद से कम्प्यूटर पर भी वर्णों की पहचान करवायी जाये। 4.हिंदी के वर्णों ,मात्राओं व विशेष रूप से संयुक्त अक्षरों को पढ़ने और लिखने के लिए कक्षा और गृह कार्य दिया जाये। 5.दैनिक जीवन से उदाहरण दिए जाएं और सही उच्चारण सिखाया जाए ।
	पाठ-1 प्रार्थना	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2. छात्रों की अनुभूति और कल्पना-शक्ति का विकास करना । 3.प्रार्थना के महत्व और प्रभाव की जानकारी देते हुए उनमें नैतिक मूल्यों का प्रसार करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. महापुरुषों की जयंतियों आदि अवसरों पर छात्रों से कोई अन्य प्रार्थना/आरती सुनाने / लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 4.प्रतिदिन प्रार्थना सभा में अधिकाधिक छात्रों को प्रार्थना गायन टीम में शामिल करके उन्हें गायन के अवसर दिये जायें। 5.कविता लेखन करवाया जाये।
	व्याकरण : लिंग परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.लिंग परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को लिंग परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु लिंग परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं लिंग परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4.मिलान करो जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी लिंग परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।

	प्रार्थना पत्र : बीमारी के कारण अवकाश लेने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र ।	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में बच्चों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	कहानी : लालची कुत्ता	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.लालच न करने की शिक्षा देना। 3.मनोरंजन करना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखायें। 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी / सुनायी/ समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी में सुनाने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति **अथवा** मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	निबन्ध : मेरी गाय	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना और उनके शब्द भंडार करना । 2.शब्द भंडार का सफलता से प्रयोग करना सिखाना । 3. पशु-पक्षियों के प्रति दया और करुणा जागृत करना।	1.अध्यापक छात्रों से पालतू पशु-पक्षियों के सम्बन्ध में चर्चा करें । चर्चा के दौरान पालतू पशु-पक्षियों के सम्बन्ध में छात्रों को हिंदी में बोलने / लिखने के अवसर दें। 2.पशुओं के प्रति क्रूरता दिखाने वालों के प्रति छात्रों के मन के भावों की कक्षा में चर्चा की जाये।
मई	पाठ-2 सबसे बड़ा धन	1.बच्चों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना । 2.अच्छी सेहत बनाये रखने के लिए जागरूक करना । 3.'सेहत ही सबसे बड़ा धन है' इस कथन के प्रति समझ उत्पन्न करना ।	1.शरीर के अंगों का चार्ट/ मॉडल दिखाया जाए। 2.'स्वस्थ शरीर' और 'धन' में आप किसे चुनेंगे और क्यों ?-विषय पर कक्षा में छात्रों की प्रतिक्रिया हिंदी में जानी जाए।
	व्याकरण भाग : वचन परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.वचन परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को वचन परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु वचन परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं वचन परिवर्तन

			सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4.मिलान करो जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी वचन परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	पाठ-3 जय जवान ! जय किसान !	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से बच्चों को परिचित करवाना । 3.छात्रों में राष्ट्र-प्रेम व कर्मनिष्ठा की भावना का विकास करना ।	1.भारत के अब तक के प्रधानमंत्रियों के चित्र दिखा कर उनके नाम बच्चों को लिखवाए जा सकते हैं । 2.'जय जवान, जय किसान' का नारा लिखवाया जाये व उसका महत्व बताया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.प्रभावशाली भाषा का प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-4 इन्द्रधनुष	1.छात्रों में प्रकृति के प्रति लगाव उत्पन्न करना । 2.छात्रों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा,बादल,पेड़,सूरज आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 4.विज्ञान की प्रयोगशाला से प्रिज़्म लेकर (रोशनी में) इन्द्रधनुषी रंगों का अवलोकन करें। 5.कविता लेखन करवाया जाये।
	कहानी : प्यासा कौआ	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना और विपत्ति के समय न घबराने और सूझ-बूझ से कार्य करने के लिए प्रेरित करना ।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखायें। 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी/समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी में सुनाने के लिए कहा जाये।
	निबन्ध : मेरा स्कूल	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.शब्द भंडार भंडार में वृद्धि करना । 3.उन्हें भावनात्मक रूप से स्कूल से जोड़ना। 4.स्कूल को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रेरित करना ।	1.अध्यापक अपने साथ छात्रों को स्कूल का भ्रमण करवा सकते हैं । 2.'मेरा स्कूल' विषय पर कोई चार्ट बनवाया जा सकता है । 3.बच्चों को 'मेरी कक्षा का कमरा' विषय पर कुछ पंक्तियां लिखने के लिए कहा जा सकता है ।
	व्याकरण : संज्ञा की पहचान	छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना और उनके शब्द भंडार में वृद्धि करना । संज्ञा की जानकारी देना व उनकी पहचान कराना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।

	व्याकरण : व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों की पहचान	1.व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों की पहचान कराना। 2. अनुकरण करते हुए व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों को बोलना,पढ़ना और लिखना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2. कक्षा के कमरे /स्कूल में/ घर/ मुहल्ले/ शहर आदि छात्र को जो भी व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक सम्बन्धी शब्द ध्यान में आता है, उसे लिखने के लिए कहा जाये। 4.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
फारमेटिव-1 मूल्यांकन			
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	**पाठ-5** ईमानदार शंकर	विद्यार्थियों में ईमानदारी, मेहनत, हिम्मत और आत्मविश्वास आदि भावों का संचार करना ।	पाठ के अभ्यास में दी गई क्रियाएं करवायी जाएं । विद्यार्थियों को ईमानदारी से सम्बन्धित कोई और कहानी हिंदी मे सुनाने/ लिखने को कहा जा सकता है ।
	व्याकरण : 'र' के विभिन्न प्रयोगों के बारे बताना ।	1.शब्दावली में बढ़ोतरी करना और वर्तनी में शुद्धता लाना । 2.हिंदी सम्बन्धी मिथ्या अवधारणाओं को दूर करना । 3.'र' के विविध रूपों और प्रयोगों से परिचित करवाना । 4.'र' के विविध रूपों का उच्चारण व लेखन दृष्टि से ज्ञान देना।	1.'र' के विविध रूपों और प्रयोगों से सम्बन्धित पाठ्य पुस्तक में दिए व अन्य उदाहरणों का अभ्यास करवाया जाये। 2.'र' के विविध रूपों के उदाहरण देकर उनकी पहचान करवायी जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा 'र' के विविध रूपों का ज्ञान दिया जाये।
	पाठ-6 मैं और मेरी सवारी	1.बच्चों को साइकिल चलाने के लाभ बताते हुए साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना । 2.उन्हें स्वस्थ शरीर के महत्व से परिचित कराना ।	1. छात्रों से उनके साइकिल सीखने के अनुभव को कक्षा में साँझा किया जाये। 2.छात्रों को 'साइकिल चलाने के लाभ' पर कुछ पंक्तियाँ हिंदी में बोलने / लिखने के लिए कहा जा सकता है। 3.साइकिल रैली का आयोजन करवाया जाये । 4. 'साइकिल की सवारी ,प्रदूषण के खात्मे की तैयारी'-विषय पर कक्षा में चर्चा करें। 5.स्कूल की वार्षिक खेलों में साइकिल रेस,स्लो साइक्लिंग रेस का आयोजन करें।

	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा शब्दों की पहचान कराना।	1.भाववाचक संज्ञा शब्दों की पहचान कराना। 2.अनुकरण करते हुए भाववाचक संज्ञा शब्दों को बोलना,पढ़ना और लिखना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से व्यक्तिवाचक एवं भाववाचक संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी भाववाचक संज्ञा सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।
	पाठ - 7 सूरज	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रुचि का विकास करना । 2.प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना। 3. छात्रों की अनुभूति व कल्पना-शक्ति का विकास करना । 4.पृथ्वी के लिए सूर्य के महत्व से छात्रों को परिचित करवाना । 5.सौर ऊर्जा का ज्ञान देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं । 4.बिजली के संकट से उभरने में सौर ऊर्जा की चर्चा की जाये। 5.सौर ऊर्जा से चलने वाले यंत्रों के नामों पर चर्चा करने के बाद उन नामों को छात्रों को लिखने के लिए कहा जाये। 6.छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा,बादल,पेड़,नदी,झरने आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 7.दिशाओं सम्बन्धी चार्ट बनाया जाये। 6.कविता लेखन करवाया जाये।
	प्रार्थना पत्र : सेक्शन बदलने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में बच्चों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.अपनी बात समझबूझ से बिना किसी झिझक के कहने के योग्य बनाना। 4.तर्कशक्ति का विकास करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
अगस्त	**पाठ- 8** प्रायश्चित	1.बच्चों में अपनी गलतियों को मान कर क्षमा मांगने का गुण पैदा करना । 2.होली जैसे त्योहारों को मिलजुल कर बिना किसी भेदभाव के मनाने की प्रेरणा देना । 3.परिश्रम का महत्व स्थापित करना ।	1.विद्यार्थियों से पूछा जाये कि क्या गलती करके क्षमा माँगने पर आपको अच्छा लगा या बुरा ? इस पर चर्चा करें। 2.'आपने होली कैसे मनायी' इस विषय पर कक्षा में बच्चों को अपना अनुभव सुनाने का अवसर दिया जाए । 3.शहरी छात्रों द्वारा स्वयं अथवा

			ग्रामीण सहपाठियों के सहयोग से अपने आस-पास के किसी ग्रामीण क्षेत्र में जाकर उपले बनाने की विधि और उनके प्रयोग को समझा जाये।
	व्याकरण भाग : सर्वनाम (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, सम्बन्धवाचक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को सर्वनाम शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सर्वनाम शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा सर्वनाम की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पाठ-9 रोमाँचक कबड्डी मुकाबला	1.बच्चों को कबड्डी खेलने के नियमों की जानकारी देकर कबड्डी आदि खेल खेलने के लिए प्रेरित करना । 2.छात्रों में मिलकर काम करने और कभी ना हार मानने की भावना का संचार करना ।	1. प्रसिद्ध भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों के नाम लिखवाये का सकते हैं। 2. छात्रों की दो टीमें बनाकर कबड्डी का मैच करवाया जा सकता है व उस दौरान उनसे हिंदी मे कॉमेन्ट्री करने को भी कहा जा सकता है।
	व्याकरण : सर्वनाम (निजवाचक और प्रश्नवाचक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को सर्वनाम शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सर्वनाम शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा सर्वनाम की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग सिखाया जाये।
	पाठ-10. चिड़िया का गीत	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.बच्चों के मन में पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम की भावना पैदा करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.चिड़िया का घोंसला कॉपी पर बनवाया जा सकता है । 4.विभिन्न पक्षियों के विभिन्न प्रकार के घोंसलों के बारे में चर्चा उनके बारे में

			संक्षेप में छात्रों को लिखने के लिए कहा जाये। 5. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा, बादल, पेड़, सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता हिंदी मे सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 6.कविता लेखन करवाया जाये।
	निबन्ध : मेरा गाँव/ मेरा शहर	1.छात्रों को अपने स्थानीय क्षेत्र से जोड़ना । 2.गाँव के विकास के लिए जागरूक बनाना। 3.छात्रों को विवेकशील, तर्कशील बनाना।	1.छात्रों से 'मेरा गाँव' /मेरा शहर ' विषय पर हिंदी में चर्चा की जा सकती है । 2.उन्हें अधिक से अधिक बोलने और लिखने के अवसर प्रदान किये जाएं । 3.ग्रामीण छात्रों को अपने गाँव के सरपंच, नम्बरदार तथा शहरी छात्रों को अपने क्षेत्र के एम.सी./ मेयर के नामों का पता करने के लिए कहा जाए।
	कहानी : चालाक लोमड़ी	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.चालाक और धूर्त लोगों से सावधान रहने की प्रेरणा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जा सकता है । 2.अभिनय विधि के प्रयोग से कहानी के संवादों को बच्चों से बुलवाया जाये। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी सुनाने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके समानार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल''द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये। 3.समानार्थक शब्दों का चार्ट भी तैयार किया जा सकता है ।
	व्याकरण : विपरीतार्थक शब्द	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना 3.विपरतार्थक शब्दों का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके विपरीतार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.विपरीतार्थक शब्दों का चार्ट/ मॉडल भी तैयार किया जा सकता है।

फारमेटिव-2 मूल्यांकन			
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें व SA1 की तैयारी एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**पाठ-11** दूध का दूध,पानी का पानी	1.बच्चों को न्याय के प्रति जागरूक करना। 2.जागरूक उपभोक्ता बनाना। 3.निडर और आत्मविश्वासी बनाना।	1.राजा की बुद्धिमता पर तीन चार वाक्य लिखवाये जायें। 2.विद्यार्थियों से न्याय के प्रति जागरूकता प्रदर्शित करने वाली कोई कहानी हिंदी में सुनी जाये।
	पाठ-12 रेणुका झील	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना 2.अपने परिचितों को पत्र लिखने के लिए प्रेरित करना। 3.प्राकृतिक सुन्दरता के दर्शन कराना।	1.बच्चों को किसी यात्रा का विवरण हिंदी मे सुनाने के लिए कहना । 2.पर्वतीय /ऐतिहासिक यात्रा का विवरण अपने मित्र को पत्र में लिखने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : कारक (कर्ता,कर्म, करण व सम्प्रदान कारक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.कारकों के भेदों का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर उनमें से रेखांकित किए गए शब्दों में कारक बताने के लिए कहा जाये। 2. कारक के नाम एवं उसके भेदों का चार्ट /मॉडल बनवाया जाये।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना - सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के उदाहरण देकर उनके एक शब्द बनवाये जायें। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	पत्र : फीस माफी के लिए प्रधानाचार्य को पत्र।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : दशहरा	1.भारतीय संस्कृति से अवगत कराना। 2. त्योहारों का महत्व बताना। 3. हमेशा सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना ।	1.बच्चों ने दशहरा कैसे मनाया ? इस पर उन्हें हिंदी में बोलने का अवसर दिया जाये । 2.चर्चा के बाद उन्हें दशहरा निबन्ध लिखने को कहा जाये। 3.अखबारों से दशहरे से सम्बन्धित चित्रों को एकत्रित करने को कहा जाये।
	व्याकरण : विराम चिह्नों का प्रयोग)	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. पूर्ण विराम,अल्प विराम,विस्मयादि बोधक आदि मुख्य विराम-चिह्नों के अधिकाधिक उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : कारक (अपादान,सम्बन्ध, अधिकरण व सम्बोधन कारक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.कारकों के भेदों का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर उनमें से रेखांकित किए गए शब्दों में कारक बताने के लिए कहा जाये। 2. कारक के नाम एवं उसके भेदों का चार्ट /मॉडल बनवाया जाये।
नवम्बर	**पाठ -13** काश ! मैं भी	1.देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना। 2. लिंग असमानता को दूर करना। 3.फौज में लड़कियों की भागीदारी से अवगत कराना। 3.फौज में भर्ती होने के लिए प्रेरित करना।	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाए । 2. यदि किसी के परिवार में से कोई फौज में है तो उसे हिंदी में अपने

			अनुभव को कक्षा में बाँटने के लिए कहा जाये। 3.विद्यार्थियों को जीवन के लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने व लिखने के लिए कहा जाये। 4.कविता लेखन करवाया जाये।
	पाठ-14 कुमारी कालीबाई	1 राष्ट्र प्रेम की भावना बच्चों में उत्पन्न करना। 2. देश की आज़ादी में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से अवगत कराना। 3. स्वतंत्रता सेनानी कुमारी कालीबाई के बलिदान से अवगत कराना। 4. अकेला व्यक्ति भी बहुत कुछ कर सकता है -ये भाव बच्चों में उत्पन्न करना।	1.विद्यार्थियों से कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखने को कहा जाये। 2.कुमारी कालीबाई के जीवन से मिलने वाली प्रेरणा की कक्षा में हिंदी मे चर्चा की जाये।
	व्याकरण : विशेषण (गुणवाचक और संख्यावाचक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को विशेषण शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विशेषण की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा विशेषण का प्रयोग सिखाया जाये।
	कहानी : एकता में बल है	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.मिलजुल कर रहने की शिक्षा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जा सकता है । 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी/समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी मे सुनाने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : **विशेषण :** (परिमाणवाचक और सार्वनामिक विशेषण)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को विशेषण शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विशेषण की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा विशेषण का प्रयोग सिखाया जाये।
	निबन्ध : श्री गुरु नानक देव	1.धार्मिक प्रवृति की ओर उन्मुख करना। 2.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नामों से परिचित कराना । 2.श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का ज्ञान देना।	1.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नाम लिखवाये जायें। 2.गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं की चर्चा करना। 3. चर्चा के बाद निबन्ध लिखने को कहना । 4.गुरु नानक देव के भिन्न-भिन्न प्रसंगों से सम्बन्धित चित्र एकत्रित करवाये जायें।
	व्याकरण : मुहावरे	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी

		देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों का अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवाया जाये।
	फारमेटिव-3 मूल्यांकन		
दिसम्बर	**पाठ-15** गुरुपर्व	1.धार्मिक प्रवृति की ओर उन्मुख करना। 2.बच्चों के मन में एक दूसरे के साथ मिलकर सेवा करने की भावना जगाना। 3.गुरुपर्व का महत्व बताना। 4.गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं से परिचित कराना। 5.नगर कीर्तन में शामिल होने की प्रेरणा देना।	1.गुरुपर्व के अवसर पर विद्यार्थी माता-पिता के साथ नगर कीर्तन / गुरुद्वारे में जायें और अपने अनुभव कक्षा में बाँटें। 2.गुरुद्वारे या अन्य स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए सेवा कार्य करें।
	पाठ-16 चींटी	1.बच्चों को निरंतर परिश्रम का महत्त्व बताना। 2.जीव जन्तुओं के प्रति दया और करुणा का भाव जगाना। 3. वैज्ञानिक दृष्टि से चींटी का अध्ययन करने की प्रेरणा देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं। 4.चींटियों के खान-पान और व्यवहार का अध्ययन करके उसे कॉपी में लिखने के लिए कहें। 5.चींटी की तरह निरंतर परिश्रम करने वाले अन्य जीव जंतुओं की जानकारी एकत्र करवायी जाये। 6. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा, बादल, पेड़, सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता हिंदी मे सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 7.कविता लेखन करवाया जाये। 8. चींटी के शरीर की बनावट/क्रिया कलाप सम्बन्धी जानकारी इंटरनेट से इकट्ठी करने को कहें तथा कक्षा में उसकी चर्चा करें।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवाया जाये।
	प्रार्थना पत्र : जुर्माना माफी के लिए प्रार्थना पत्र	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना । 4.गलती स्वीकार करने की भावना विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।

	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
जनवरी	**पाठ-17** पिल्ले बिकाऊ हैं	1.हीन भावना से ऊपर उठने की प्रेरणा देना। 2.जीवोंसे प्रेम करने के लिए प्रेरित करना। 3.आत्मविश्वास उत्पन्न करना।	1.दुकानदार द्वारा अपाहिज पिल्ले को दिखाने पर आप क्या करते?बच्चों को इस विषय पर हिंदी में बोलने के अवसर दिये जायें। 2.पाठ्य पुस्तक में से 'जानिए' के अनतर्गतबच्चों को पोलियो के प्रति जागरूक किया जाये। 3.अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा डॉलर के बारे में जानकारी दी जाये ।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पाठ-18 रसोई का ताज : सब्ज़ियाँ	1.विभिन्न सब्जियों के गुण बताते हुए बच्चों को हरी सब्ज़ियाँ खाने के लिए प्रेरित करना। 2.फास्ट फूड से परहेज़ करने की प्रेरणा देना। 3.शुद्ध उच्चारण की जानकारी देते हुए अभिनय कौशल में कुशल बनाना।	1.सब्ज़ियों से संबंधित चार्ट/ मॉडल बनवायें। 2.इस पाठ के संवादों को कक्षा/स्कूल मंच पर मंचित करवाया जाये। 3.सब्ज़ियाँ के लाभ लिखने को कहा जाये। 4.छात्रों से पूछा जाये कि आपको कौन सी सब्ज़ी पसन्द है और क्यों ?
	कहानी : ईमानदार लकड़हारा	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.ईमानदारी का जीवन जीने की प्रेरणा देना। 3.लालच दे दूर रहने की प्रेरणा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जा सकता है । 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी/समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी मे सुनाने के लिए कहा जाये।
	पत्र : ज़रूरी काम के कारण अवकाश लेने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र।	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में बच्चों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन:

		लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : स्वच्छता अभियान	1.रचनात्मक प्रवृति का विकास करना। 2. देशप्रेम की भावना का विकास करना। 3. सफाई का महत्व बताना। 4.सफाई अभियान में क्रियाशील बनाना।	1.देश व्यापी लहर 'स्वच्छता अभियान' पर सफाई अभियान सम्बन्धी विचारों को सुनना/सुनाना। 2. स्वच्छता अभियान सम्बन्धी नारे लिखवाये जायें। 3. स्वच्छता अभियान में जागरूकता फैलाने के लिए एक टीम बनायें जो कि इस अभियान को क्रियान्वित रूप दे। 4.नेताओं/अधिकारियों /प्रशासन/स्कूल प्रशासन आदि द्वारा चलाए सफाई अभियान में अपनी भागीदारी बनायें।
	फारमेटिव-4 मूल्यांकन		
फरवरी	**पाठ-19** पेड़ लगाओ	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रुचि का विकास करना । 2.प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना। 3. छात्रों की अनुभूति व कल्पना-शक्ति का विकास करना । 4.बच्चों को पेड़ लगाने व उनकी देखभाल करने की प्रेरणा देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं। 4.पेड़ों से संबंधित नारे लिखवाए जाएं । 5.छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा, बादल, सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 6.बच्चों से उनके जन्म दिन पर घर/स्कूल अथवा अपने आस-पास एक फलदार/ छायादार पौधा लगवायें। 7.कविता लेखन करवाया जाये।
	पाठ-20 ज्ञान का भण्डार : समाचार पत्र	1.समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालना। 2.ई-समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालना। 2.स्वाध्याय की प्रवृति पैदा करना। 3.लेखक,कवि आदि बनने की प्रेरणा देना। 4.जिम्मेदारी की भावना पैदा करना। 5.निडरता की भावना पैदा करना।	1.किसी प्रेस में ले जाकर बच्चों को अखबार के छपने की प्रक्रिया से अवगत करवाया जाये। 2.प्रेस के साथ-साथ वहाँ काम करने वाले बिभिन्न अधिकारियौ,/कर्मचारियों के छपाई में योगदान सेअवगत कराया जाये। 3.खींचो न कमान को, न तलवार निकालो । जब तोप मुकाबला हो,तब अखबार निकालो ।। -विषय पर पक्ष और विपक्ष में चर्चा करवायी जाये। 4. इंटरनेट से कम्प्यूटर पर ई-समाचार पत्र खोलकर पढ़ना सिखाया जाये।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये।

			2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से अर्थ और मुहावरों के प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण की दोहराई करवायी जाये।		
मार्च	**दोहराई और संकलित मूल्यांकन-2 की तैयारी (अक्तूबर से फरवरी का पाठ्यक्रम)**		

नोट : 1. उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों क अभ्यास करवाये जायें।

2.अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ-साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंत्रण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये।

3. छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।

4. उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।